सेंट्रल यूनिवर्सिटी में 10 दिवसीय डॉक्यूमेंटरी फिल्म वर्कशॉप शुरू

पांच मिनट की फिल्म बनाने में आठ महीने लगा : मेघनाथ

लाइफ रिपोर्टर @ रांची

केंद्रीय विश्वविद्यालय, झारखंड में विजुअल एंड डॉक्यूमेंटरी फिल्म मेकिंग पर 10 दिवसीय वर्कशॉप का उदघाटन सोमवार को हुआ. विवि के सेंटर फॉर इंडीजिनियस कल्चर स्टडीज द्वारा 14 मार्च तक चलनेवाले इस वर्कशॉप का उद्घाटन मेघनाथ और बीजू टोप्पो की डॉक्यूमेंटरी फिल्म इन रेटरोस्पेक्ट के साथ हुआ. उद्घाटन डीएसडब्ल्यू प्रो अर्जुन कुमार, फिल्म निर्माता मेघनाथ, बीजू टोप्पो और सुचिता सेन चंदौरी ने किया. सीआइसीएस के रजनीकांत पांडेय ने सबका स्वागत किया. पहले दिन फिल्म फेस्टिवल के संबंध में विचार-विमर्श किया गया. साथ ही वर्कशॉप में फिल्म गांव छोड़ब नाही, द हंट, गाड़ी लोहरदगा मेल, सोना गाही पिंजरा और नाची से बांची का प्रदर्शन किया गया. इन डॉक्यूमेंटरी फिल्मों की प्रासंगिकता पर भी चर्चा की गयी.

पौधा देकर अतिथियों का स्वागत किया गया.

मेघनाथ ने बताया कि गाड़ी लोहरदगा मेल एक एक्सपेरिमेंटल (प्रायोगिक) फिल्म थी. इसमें झारखंड की संस्कृति का प्रतिबिंब झलकता है. गांव छोड़ब नहीं पांच मिनट की फिल्म है. यह फिल्म एक गीत पर आधारित है. इस पांच मिनट की फिल्म को बनाने में सात से आठ महीने का समय लगा था. मेघनाथ ने बताया कि जब वे गीत लिख रहे थे तो उसे काव्य रूप देने में विनोद कुमार और सुनील का योगदान रहा. जब जब झारखंड में आंदोलन, संघर्ष और झारखंडी मुद्दे की बात होगी इस गीत को जरूर याद किया जायेगा. आम तौर पर समाज में इकतरफा खबरें आती हैं . पर द हंट फिल्म में दिखाया गया है कि किस तरह से नक्सली और सरकार के बीच आदिवासी पिस रहे हैं. अन्य फिल्मों पर भी इसी तरह चर्चा हुई. मेघनाथ ने बताया कि डॉक्यूमेंटरी फिल्में मनोरंजन से इतर समाज के उन मुद्दों और पहलुओं को सामने लाती हैं जिसपर मुख्यधारा का सिनेमा काम नहीं करता.

एक दिवसीय जागरुकता कार्यक्रम में राज्य की कल्याण मंत्री डॉ लुईस मरांडी ने दिलाया भरोसा

सीयूजे को कल्याण विभाग देगा सहयोग

आयोजन

रांची | प्रमुख संवाददाता

केंद्रीय विश्वविद्यालय झारखंड में मंगलवार को एक दिवसीय जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें मुख्य अतिथि के रूप में कल्याण मंत्री डॉ लुईस मरांडी मौजूद थीं।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री छात्रवृत्ति कल्याण योजना समेत कई ऐसी योजना राज्य सरकार चला रही है, जिससे कमजोर वर्ग के विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा में काफी मदद मिलेगी।

साथ ही, उन्होंने भरोसा दिलाया कि सीयूजे को कल्याण विभाग से पूर्ण सहयोग मिलेगा।

विभाग के अपर सचिव हर्षमंगला ने राज्य सरकार की ओर से एसटी, एससी, ओबीसी और कमजोर वर्ग के छात्रों के लिए चलाए जा रहे छात्रवृति अनुदान की जानकारी दी। साथ ही बताया कि सरकारी के सभी योजनाओं का लाभ ऑनलाइन लें, जिससे कोई परेशानी नहीं झेलनी पड़े।

विश्वविद्यालय कैंपस में पौधरोपण भी किया गया। कार्यक्रम में डीएसडब्लू अर्जुन सिंह, मास कम्यूनिकेशन विभाग के डीन देवव्रत सिंह समेत अन्य शिक्षकगण मौजूद थे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता यूनिवर्सिटी के एसटीएससी सेल की हेड सीमा ममता मिंज ने की।

खास बातें

- सीयूजे में एससी-एसटी,ओबीसी मिलाकर 14 सौ छात्र हैं
- कैंपस परिसर में अतिथियों ने पौधे भी लगाए

छात्रवृत्ति अनुदान के लिए चल रही ऑनलाइन प्रक्रिया

अपर सचिव हर्ष मंगला ने बताया कि सरकार सारी स्कीम को चला ऑनलाइन रही है, जिससे छात्रों को छात्रवृत्ति अनुदान के लिए कहीं जाने की जरूरत नहीं है। कुलपति डॉ नंद कुमार यादव ने मांग की कि कल्याण विभाग की ओर से एसटी छात्रावासों में केंद्रीय विवि के छात्रों को भी जगह दी जाए या कोई नई व्यवस्था उनके लिए की जाए।